देश भर में स्वच्छता, अप शष्ट प्रबंधन और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लए 'स्वच्छ भारत' भारत सरकार द्वारा चलाया गया एक राष्ट्रीय अ भयान है| इसका शुभारम्भ महात्मा गाँधी के जन्मदिवस 02 अक्टूबर 2014 पर हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा कया गया| साथ में यह प्रण भी लया गया क 2019 तक हम अपने देश को पूर्ण स्वच्छ बनाने का प्रयास करते हुए महात्मा गाँधी को उनकी 150वीं वर्षगांठ पर श्रद्धांज ल देंगे| इस कार्यक्रम में अपने आसपास की जगह की सफाई के अलावा स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुडी प्रथाओं के सम्बन्ध में लोगों के व्यवहार में परिवर्तन लाना भी शा मल है|

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारतीय कृ ष अनुसन्धान परिषद् की पहल पर भारतीय कृ ष अनुसन्धान संस्थान के सभी कर्मचारियों ने इस अ भयान की शुरुआत करते हुए 02 अक्टूबर 2014 को हर वर्ष 100 घंटे सफाई के लए देने का प्रण लेते हुए स्वच्छता शपथ ली| तब से अनुसन्धान के व भन्न वभागों तथा इसके कर्मचारियों ने समय समय पर श्रमदान देकर संस्थान को पहले से अ धक स्वच्छ रखने का बीड़ा उठाया है| इसी कड़ी में एक और कदम बढ़ाते हुए भारतीय कृ ष अनुसन्धान संस्थान में स्वच्छ भारत अ भयान के अंतर्गत 16 से 31 मई 2016 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन कया गया| इस कार्यक्रम में अपना योगदान देते हुए कृ ष रसायन संभाग ने 23 मई 2016 को इस अ भयान में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया| इस दिन संभागाध्यक्षा डा. अनुपमा के मार्गदर्शन में सभी वैज्ञानिकों, तकनीकी अ धकारियों, ऑ फस प्रबंधन स्टाफ तथा कुशल सहायी कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लया| इस दौरान सभी कर्मचारियों द्वारा 2 घंटे का श्रमदान देते हुए संभाग के व भन्न हिस्सों को अच्छी तरह से साफ़ कया गया और कोने कोने को चमकाने का प्रयास कया गया| इसके अलावा संभाग की सुन्दरता को बढ़ने के लए जगह जगह पर गमले भी रखे गए जिसका रख रखाव समय समय पर कया जायेगा| साथ ही यह निर्णय भी लया गया क हर महीने संभाग में एक बैठक का आयोजन कया जायेगा जिसमे स्वच्छता से जुड़े व भन्न कार्यों की समीक्षा की जाएगी और साथ ही इन कार्यों से जुडी कसी भी समस्या का समाधान कया जाएगा|